Self Respect

06-06-2014

✓बाप बैठ बच्चों को समझाते है । वास्तव मे दोनो ही बाप है, एक हद का, दूसरा बेहद का । वह बाप भी है तो यह बाप भी है । बेहद का बाप आकर पढ़ाते है । बच्चे जानते है हम नई दुनिया सतयुग के लिए पढ़ रहे है । ऐसी पढ़ाई कहाँ मिल नहीं सकती ।

✓तुम बच्चो ने सतसंग तो बहुत किये है । तुम भक्त थे ना । जरूर गुरू किये हुए है, शास्त्र अध्ययन किये हुए है । परन्तु अभी बाप ने आकर जगाया है । बाप कहते है अभी यह पुरानी दुनिया बदलनी है । अभी मैं तुमको नई दुनिया के लिए पढ़ाता हूँ, तुम्हारा टीचर हूँ ।

- ✓तुम जानते हो हम जो पढ़ाई पढ़ते है वह है नई दुनिया के लिए । गोल्डन एजड वर्ल्ड कहा जाता है ।

- ✓तुमको अभी एम ऑबजेक्ट मिली है । भविष्य के लिए बाप नई दुनिया भी स्थापन करते है और तुमको पढ़ाते भी है । तुम रावण पर जीत पाते हो, रावण राज्य में है ही सब विकारी । यथा राजा रानी तथा प्रजा ।

- ✓तुम हो ही पवित्र देश के रहने वाले, जिसको निर्वाणधाम कहा जाता है । वाणी से परे सिर्फ अशरीरी आत्मायें रहती है । बाप तुमको अब वाणी से परे ले जाते है ।

✓बाप आत्माओं को पावन बनाते है और याद भी दिलाते है कि तुम देवता शरीर वाले थे । तुम्हारी आत्मा और शरीर दोनों पवित्र थे । अब फिर से बाप आकर पतित से पावन बनाते हैं, इसलिए ही तुम यहाँ आये हो ।

✓तुम जानते हो पहले-पहले हमारा धर्म, कर्म जो श्रेष्ठ था वह अभी भ्रष्ट बन गया है । ऐसे नहीं, देवता धर्म ही खत्म है । गाते भी हैं देवतायें सर्वगुण सम्पन्न थे । लक्ष्मी-नारायण दोनों पवित्र थे । पवित्र प्रवृत्ति मार्ग था । अभी अपवित्र प्रवृत्ति मार्ग है ।

- ✓बाप ने बताया है-मीठे-मीठे बच्चों , तुम अपने जन्मों को नहीं जानते हो, मैं तुमको 84 जन्मों की कहानी सुनाता हूँ ।

- ✓जब तुम सूर्यवंशी थे तो पूजा आदि नहीं करते थे । तुम सारे विश्व पर राज्य करते थे, सुखी थे । श्रीमत पर श्रेष्ठ राज्य स्थापन किया था । उसको कहा जाता है सुखधाम ।

- ✓और कोई ऐसे नहीं कहेंगे कि हमको बाप पढ़ाते है, मनुष्य से देवता बनाते है ।

✓अभी तुम जानते हो हम उसी देवी-देवता धर्म में ट्रासफर हो रहे है । उसके लिए तुम राजयोग की पढ़ाई पढ़ रहे हो । राजाई पानी है । भगवानुवाच- मैं तुमको राजाओं का राजा बनाता हूँ ।

✓यह है कलियुग, आइरन एजड वर्ल्ड । तुम गोल्डन एज में थे । अभी फिर पुरूषोत्तम संगमयुग पर खड़े हो । बाप तुमको पहले नम्बर में ले जाने आये है, सबका कल्याण करते है । तुम जानते हो हमारा भी कल्याण होता है पहले-पहले हम जरूर सतयुग में आएँगे ।

✓ऐसे कोई भी नही कहता है कि अभी तुमको पवित्र बनकर नई दुनिया में जाना है, बाप ही बतलाते हैं अभी संगमयुग है । तुमको पढ़ाई भी वही मिलती है जो कल्प पहले मिली थी, मनुष्य से देवता बने थे । गायन भी है मनुष्य से देवता किये..... जरूर बाप ही बनायेंगे ना । तुम जानते हो हम अपवित्र गृहस्थ धर्म वाले थे, अब बाप आकर फिर पवित्र प्रवृत्ति मार्ग का बनाते हैं । तुम बहुत ऊँच पद पाते हो । ऊँच ते ऊँच बाप कितना ऊँच बनाते है ।

- ✓तुम बाप द्वारा पारस बुद्धि बनते हो । वास्तव में यह है ज्ञान स्नान, जिससे तुम देवता बन जाते हो ।

- ✓अभी तुम समझते हो तुम्हारा ही यादगार देलवाडा, गुरू शिखर आदि खड़ा है । बाप बहुत ऊँच रहते है ना । तुम जानते हो बाप और हम आत्मायें जहाँ निवास करती हैं, वह है मूलवतन ।

- ✓तुम बच्चों को सुख और सबको शान्ति मिल जाती है । तुम्हारा पार्ट तो बहुत ऊँच है । तुम्हारे जितना सुख कोई देख न सके इसलिए पुरूषार्थ करना चाहिए ।

✓वरदान:- अपने सम्पर्क द्वारा अनेक आत्माओं की चिंताओं को मिटाने वाले सर्व के प्रिय भव !

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।